खराब कृत्रिम कूल्हा हटाकर नया लगाया

हजार बिस्तर अस्पताल में जटिल सर्जरी, अब फिर चल सकेंगी शीला देवी, डेढ़ घंटे चली प्रक्रिया

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने जयारोग्य अस्पताल समूह के हजार बिस्तर अस्पताल में एक 66 वर्षीय महिला का जटिल कूल्हा प्रत्यारोपण किया है। समय के साथ महिला का पुराना कृत्रिम जोड़ खराब होकर हड्डी से अलग हो गया था जिसे हटाकर नया जोड़ सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है।

2012 और 2015 में हुए थे दोनों कूल्हे प्रत्यारोपित: दतिया निवासी 66 वर्षीय शीला देवी का एक कूल्हा वर्ष 2012 में और दूसरा वर्ष 2015 में प्रत्यारोपित किया गया था। लंबे समय के बाद उनके एक कूल्हे का कृत्रिम जोड़ खराब हो गया और वह हड्डी से छोड़ गया। इसके कारण महिला का चलना-फिरना पूरी तरह बंद हो गया था और वह अत्यधिक परेशानी का सामना कर रही थीं। स्थिति गंभीर होने पर उनके पति नारायण दास 22 मई को उन्हें उपचार के लिए हजार बिस्तर अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

मामला जटिल देख डीन ने खुद संभाली कमान : अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने कूल्हे की दोबारा सर्जरी की आवश्यकता बताई। मामला काफी जटिल होने के कारण जीआरएमसी अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने स्वयं ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। शनिवार को डॉ. धाकड़ एवं ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. विकास सिंघल की टीम ने लगभग डेढ़ घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद खराब कृत्रिम कूल्हे को निकाला और नया प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार शीला देवी जल्द ही फिजियोथेरेपी और पुनर्वास प्रक्रिया के सहारे दोबारा चलना-फिरना शुरू कर सकेंगी।

इनका कहना है...

मरीज का कूल्हा हड्डी से अलग हो चुका था, जिसके कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गई थीं। जटिल सर्जरी के बावजूद ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा है। मरीज शीघ्र ही सामान्य जीवन की ओर लौट सकेंगी।

- डॉ. आरकेएस धाकड़, अधिष्ठाता, जीआरएमसी

दूसरे राउण्ड के अंतिम 4 एवं तीसरे राउण्ड के 2 मैच खेले गये

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। जन उत्थान न्यास के तत्वाधान में हो रहे विधायक प्रीमियर लीग 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के आज 6 मैच एम.एल.बी कॉलेज के खेल मैदान में शाम 3:30 बजे से आयोजित किये गये। आज दूसरे राउण्ड के अंतिम चार मैच खेले गये, इसके साथ ही तीसरा राउण्ड शुरू कर 2 मैच खेले गये। दूसरे राउण्ड के अंतिम चार मैचों में पहला मैच शाम 3:30 बजे वार्ड क्रमांक 60 की टीम 60/एच एवं टीम 60/जे के मध्य खेला गया। इसी क्रमशः में दूसरा मैच शाम 4:30 बजे वार्ड क्रमांक 29 की टीम 29/बी एवं टीम 29/डी के मध्य, तीसरा मैच शाम 5:30 बजे वार्ड क्रमांक 56 एवं वार्ड क्रमांक 57 की टीम 56/एस एवं टीम 57/एच के मध्य खेला गया। चौथा मैच शाम 6:30 बजे वार्ड क्रमांक 29 एवं वार्ड 30 की टीम 29/आई एवं टीम 30/बी के मध्य खेला गया। तीसरे राउण्ड का पहला मैच शाम 7:30 बजे वार्ड क्रमांक 57 की टीम 57/जे एवं टीम 57/ई के मध्य एवं दूसरा मैच शाम 8:30 बजे वार्ड क्रमांक 45 की टीम 45/बी एवं टीम 45/एन के मध्य खेला गया। टूर्नामेंट के अंत में न्यासी आदित्य सिकरवार द्वारा दर्शकों के लिये लक्की ड्रा खोला जाता हैं, 30 दर्शकों को आर्कषक उपहार दिये गये।

मैच की शुरूआत में टूर्नामेंट के आयोजक, न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने अतिथियों के साथ टीमों से परिचय किया और टीमों को शुभकामनाएं दी।

आज शाम एम.एल.बी मैदान पर पहला मैच वार्ड क्रमांक 60 की टीम 60/एच एवं टीम 60/जे के मध्य खेला गया।

टीम 60/एच ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 8 ओवर में 116 रन बनाये। जिसके विरूद्ध टीम 60/जे ने 8 ओवर में 66 रन बनाये और मैच हार गई। मैन ऑफ द मैच रवि यादव को मिला। दूसरा मैच वार्ड क्रमांक 29 की टीम 29/बी एवं टीम 29/डी के मध्य खेला गया। टीम 29/डी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 8 ओवर में 36 रन बनाये। जिसके विरूद्ध टीम 29/बी 3 ओवर 4 बॉल में 41 बनाये और मैच में जीत हासिल की।

भक्तों का उद्धार करने होता है भगवान का अवतार : शास्त्री

आदर्श कॉलोनी राधा कृष्ण मंदिर पर हो रही भागवत में जन्मे कृष्ण

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। अधिक मास के पवित्र माह पर राधा कृष्ण मंदिर आदर्श कॉलोन में महिला मंडल द्वारा की जा रही श्रीमद् भागवत कथा में भगवान के अवतार की कथा सुनाई गई। और कहा गया कि भगवान का अवतार धर्म की स्थापना के लिए तो होता ही है पर साथ-साथ भगवान भी भक्तों के साथ लीला करने के लिए इस धरा पर अवतार लेते हैं। जब देवकी और

वासुदेव जैसे भक्तों के मन में भगवान को अपने पुत्र के रूप में देखने की इच्छा होती है तो भगवान भी भक्तों का मान रखने के लिए पुत्र रूप में अवतार ले लेते हैं। ब्रह्म को बड़े-बड़े ऋषि मुनि शेष महेश गणेश नहीं समझ सकते जो निराकार स्वरूप हैं। वहीं ब्रह्म भक्तों के प्रेम के वशीभूत हो कर भक्तों के साथ लीला करते हैं ग्वाल वालों के साथ खेलते हैं। गायों को चराते हैं, मैया की गोद में बैठकर माखन खाते हैं, सखियों के साथ रास रचाते हैं और अर्जुन को गीता का उपदेश भी देते हैं और कंश जेसे दुष्टों का संहार कर कई प्रकार की लीलाएं करते हैं। भगवान के जन्म उत्सव पर मनीष कृष्ण शास्त्री द्वारा वेद मंत्रों का उच्चारण किया गया।

अचलेश्वर मंदिर में प्याऊ बंद होने से भक्त नाराज, आंदोलन की चेतावनी

शीघ्र हाईटेक प्याऊ और जनसुविधाएं बहाल करने की मांग, मुख्यमंत्री और कलेक्टर को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। भीषण गर्मी के इस मौसम में प्रसिद्ध श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्थापित प्याऊ को बंद किए जाने से श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। प्रतिदिन मंदिर आने वाले हजारों शिवभक्तों को पूजा-अर्चना के बाद पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। मंदिर के आसपास अन्य कोई वैकल्पिक जलस्रोत न होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। इस अव्यवस्था को लेकर नाराज भक्तों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के वरिष्ठ सदस्य एवं प्रबुद्ध नागरिक संतोष सिंह राठौड़, मंदिर निर्माण समिति के संयोजक हरीबाबू शिवहरे, प्रदीप बंसल, अजमेर सिंह रावत, अशोक अग्रवाल और विपिन अग्रवाल सहित अनेक भक्तों ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री, प्रदेश के धर्मस्व मंत्री और ग्वालियर कलेक्टर से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

भक्तों की मांग है कि परिसर में पहले से मौजूद जीर्ण-शीर्ण प्याऊ के स्थान पर एक सर्वसुविधायुक्त 'हाईटेक प्याऊ' का निर्माण कराया जाए।

इस प्रस्तावित प्याऊ में कम से कम 14 आधुनिक नल लगाए जाएं।

श्रद्धालुओं के लिए वॉशरुम (शौचालय) की व्यवस्था हो: दानदाताओं के नाम न छापने की शर्त पर वरिष्ठ सदस्यों ने स्पष्ट किया कि हाईटेक प्याऊ के लिए मंदिर न्यास को पहले से ही पर्याप्त दानराशि प्राप्त हो चुकी है, जिसका तत्काल सदुपयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यदि शहर के अन्य गणमान्य नागरिक और बाबा के भक्त इसमें आर्थिक सहयोग करना चाहते हैं, तो वे मुक्तहस्त से दान कर सकते हैं। हालांकि, न्यास प्रबंधन को यह सख्ती से सुनिश्चित करना होगा कि नवनिर्मित प्याऊ पर किसी भी दानदाता का नाम अंकित न किया जाए।

इन सुविधाओं को दुरुस्त करने की भी उठी मांग

श्री राठौड़ और शिवहरे ने राज्य शासन एवं जिला प्रशासन का ध्यान मंदिर की अन्य मूलभूत समस्याओं की ओर भी आकर्षित किया है। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधार्थ निम्नलिखित व्यवस्थाएं शीघ्र करने का आग्रह किया है दीप भवन का निर्माण व्यवस्थित जूता स्टैंड वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम वाहनों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था भक्तगणों का कहना है कि न्यास की लचर कार्यप्रणाली के कारण आम श्रद्धालुओं को इस तपन में परेशान होना पड़ रहा है। यदि जिला प्रशासन और मंदिर न्यास ने इन जनहित की मांगों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्य शुरू नहीं कराया, तो अचलेश्वर बाबा के भक्त सड़कों पर उतरकर आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए विवश होंगे।

युवाओं के भविष्य पर सवाल, सरकारों की बदल रहीं प्राथमिकताएँ

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पाठक ने कहा : युवाओं की पीड़ा को पहचानें जिम्मेदार युवा

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। ग्वालियर दक्षिण के पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के प्रदेश महासचिव प्रवीण पाठक ने कहा है कि आज हमारे समक्ष प्रश्न आ खड़ा हुआ है कि क्या हम सशक्त राष्ट्र निर्माण कर रहे हैं, या एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जिसे अपनी ही व्यवस्था पर विश्वास न रहे?

जब शिक्षा, रोजगार और समान अवसरों की जगह सरकारों द्वारा अपनी राजनीतिक प्राथमिकताएँ बदल दी जाती हैं, तब सबसे बड़ी कीमत राष्ट्र की युवा पीढ़ी को चुकाना पड़ती है।

उन्होंने आज यहां कहा कि इतिहास साक्षी है कि राष्ट्र तब कमजोर नहीं होते जब उनके संसाधन कम हो जाते हैं अपितु राष्ट्र तब कमजोर होते हैं, जब उस राष्ट्र की युवा पीढ़ी का विश्वास राष्ट्र को चलाने वाली व्यवस्था से उठ जाता है। आज भारत के सामने सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं है, राजनीतिक नहीं है, धार्मिक और सामाजिक भी नहीं है आज सबसे बड़ा संकट विश्वास का है, भरोसे का है और उम्मीद का है। आज संकट है उस युवा के विश्वास का, जिसने अपनी आँखों में भविष्य के सपने सजाए हैं, उस छात्र का भरोसा जिसने वर्षों की तपस्या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगा दी, उस परिवार की उम्मीद का, जिसने अपनी सीमित आय, अपनी बचत, अपना वर्तमान और कभी कभी अपना भविष्य तक बच्चों की शिक्षा पर दाँव पर लगा दिया और गिरवी रख दिया सुंदर भविष्य की कल्पना में और बदले में उसे मिला सिर्फ़ भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं की बलि चढ़ चुका ऐसा प्रशासनिक ढांचा और व्यवस्था जिसे बदलने या दंडित करने नहीं बल्कि निरंतरता प्रदान करने के लिए अब ये सरकार दृणसंकल्पित दिखती है।

उन्होंने कहा कि प्रश्न यह है कि सरकार या धार्मिक उन्माद के मुद्दे युवाओं को बदले में क्या दे रहे हैं ?क्या हम उन्हें अवसर दे रहे हैं या अनिश्चितता ? क्या हम उन्हें निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं या अविश्वास ? क्या हम उन्हें ज्ञान का गणराज्य दे रहे हैं या घोषणाओं और प्रबंधन के सहारे चलने वाली एक ऐसी व्यवस्था, जिसमें उत्तरदायित्व का पता लगाना कठिन और दोष तय करना लगभग असंभव ही हो गया है ? वर्ष 2014 के बाद का दशक जहां भारत की युवा शक्ति का दशक होना चाहिए था। यह वह समय होना चाहिए था जब भारत विश्व की प्रतिभा राजधानी बनने की दिशा में आगे बढ़ता। यह वह कालखंड होना चाहिए था जब विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता, शोध निवेश, वैज्ञानिक नवाचार, कौशल विकास और रोजगार राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में होते। लेकिन आज दुर्भाग्य से करोड़ों युवाओं के जीवन से जुड़े प्रश्न अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की सूची में पीछे धकेल दिए गए और उनकी सुध लेने की फिक्र किसी को नहीं रही। युवाओं को जब रोजगार चाहिए था, उन्हें बदले में बहसें मिलीं। उन्हें जब अवसर चाहिए थे, उन्हें आश्वाशन और प्रतीक मिले।

उन्हें संस्थागत सुधार चाहिए थे, उन्हें केवल कोरी घोषणाएँ मिलीं। उन्हें भविष्य चाहिए था, उन्हें निरंतर झूठे दिलासे मिले। और इसी बीच परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी बार बार अनेकानेक प्रश्न खड़े होते गए और जवाबदेही शून्य हो गई।

नई पीढ़ी पत्रकारिता के सूरज को डूबने न दे

प्रेस क्लब ने पत्रकारिता दिवस पर आयोजित की संगोष्ठी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। वक्त के साथ पत्रकारिता का स्वरूप भले ही बदला हो लेकिन आज भी समाज का सबसे विश्वसनीय कोई अंग है तो वह है पत्रकारिता। प्रिंट मीडिया के बाद इलेक्ट्रोनिक मीडिया और अब सोशल मीडिया भी एक अपने अलग रंग के साथ लोगों के सामने है। इसके बाद भी अखबारों ने अपना महत्व बनाए रखा है।

वरिष्ठ पत्रकार बच्चन बिहारी ने आज ग्वालियर प्रेस क्लब द्वारा मीडिया सेंटर माधवगंज में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में यह बात कही। संगोष्ठी की अध्यक्षता ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने की। बिहारी ने पत्रकारिता को तीन काल खण्ड में विभाजित करते हुए आजादी के पहले, आजादी के बाद और वर्तमान पत्रकारिता पर विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार सुरेश दण्डोतिया ने कहा कि प्रिंट मीडिया पहले भी समाज का आइना था और आज भी है। इस अवसर पर प्रेस क्लब सचिव सुरेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकारगण राजेन्द्र तलेगांवकर, बृजमोहन शर्मा, विनय अग्रवाल, हरीश चन्द्र, प्रवीण दुबे, जोगेन्द्र सेन, अजय मिश्रा, जितेन्द्र पाठक, रवि उपाध्याय ने भी परिचर्चा में भाग लेते हुए अपने विचार रखे। इस अवसर पर फोटो जर्नलिस्ट राजेश जायसवाल एवं मुकेश बाथम सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

जातक कथाएं विश्व साहित्य की उद्गमस्थली - प्रो. सदानंद शाही

आचार्य हरिहरनिवास द्विवेदी स्मृति व्याख्यान में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्वान का वक्तव्य

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। गौतम बुद्ध के विभिन्न जनमों के वृत्तांत पर आधारित जातक- कथाएं विश्वकथा साहित्य की उद्गम स्थली हैं। प्रसिद्ध विद्वान विंटरनित्ज़ ने विश्व- साहित्य पर जातक कथाओं के प्रभाव को स्वीकार किया है। आज जब देश में भारतीय ज्ञान परम्पराओं की बात करते हैं तब बौद्ध - साहित्य की इस निधि को अनदेखा नहीं कर सकते, क्यों कि भारत की ज्ञान परम्परा एकांगी नहीं हैं। यहां संस्कृतियां और परम्पराएं परस्पर संवाद करती हैं। प्रसिद्ध विद्वान व काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफ़ेसर सदानंद शाही ने आचार्य हरिहरनिवास द्विवेदी स्मृति व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में यह विचार व्यक्त किए। जाने-माने पत्रकार डॉ सुरेश सम्राट ने आयोजन की अध्यक्षता की। मंच पर जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलसचिव डॉ राजीव मिश्र व अवकाश प्राप्त न्यायाधीश श्याम विहारी भार्गव की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर अतिथियों व विशिष्ट जनों को द्विवेदी द्वारा सम्पादित पुस्तक 'ग्वालियर दर्शन' व 'गोपाचल आख्यान' भेंट में दी गई

आचार्य हरिहरनिवास द्विवेदी स्मृति व्याख्यान समारोह समिति व जीवाजी विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में यह व्याख्यान आयोजित हुआ जिसके संयोजक जयन्त सिंह तोमर और उमेशचंद्र पाठक थे। प्रोफ़ेसर शाही ने जातक कथाओं के महत्व पर बोलते हुए कहा कि संवाद की प्रक्रिया किस तरह सभ्यता के भीतर चलती है जातक कथाएं उसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में आचार्य हरिहर निवास द्विवेदी के योगदान पर बोलते हुए डॉ सुरेश सम्राट ने कहा कि जब भारतीय ज्ञान परम्परा की बात हो रही है तब द्विवेदी के ग्रंथ पढ़ कर हमें ग्वालियर की ज्ञान परम्परा से भी परिचित होना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए जयंत सिंह तोमर ने कहा कि द्विवेदी जैसे विद्वानों की स्मृति को बनाए रखने के लिए व्याख्यान और आयोजनों का क्रम सोलह साल से निरंतर चल रहा है। जिन्होंने ज्ञान -गरिमा के क्षेत्र में ग्वालियर का नाम उज्ज्वल किया है उन्हें याद करना सबका सामूहिक कर्तव्य है।

धन्यवाद ज्ञापन में व्याख्यान के संयोजक उमेशचंद्र पाठक ने कहा कि द्विवेदी जैसे विद्वानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने की भावना ने उन्हें इस आयोजन के लिए प्रेरित किया। आयोजन में ग्वालियर के गण्यमान्य लोगों ने उपस्थिति दर्ज की।

सड़कों पर रात के वक्त चला विशेष सफाई अभियान

शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों को विशेष अभियान चलाकर कराया गया साफ

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। शहर को स्वच्छ एवं धूल-मुक्त बनाने के उद्देश्य से ग्वालियर नगर निगम द्वारा तीन दिवसीय विशेष रात्रिकालीन सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत आज शनिवार को रेलवे स्टेशन तिराहा, गोला का मंदिर, पिंटो पार्क, डीडी नगर, महाराजपुरा एयरफोर्स गेट, यूनीपैच फैक्ट्री, सिंधी स्टैंड, आकाशवाणी, सूर्य नमस्कार मार्ग, एमआईटीएस कॉलेज रोड, गोविंदपुरी, अलकापुरी, कलेक्ट्रेट रोड, ओल्ड पड़ाव आरओबी, लक्ष्मणपुरा, हजीरा, चार शहर का नाका, सागरताल चौराहा, पड़ाव, जिंसी नाला, इंदरगंज, जयेंद्रगंज सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोड स्वीपिंग मशीनें से सफाई कराई गई।

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने नागरिकों से अपील की है कि रात्रिकालीन सफाई अभियान के दौरान सहयोग करें तथा सड़कों पर कचरा न फैलाएं, ताकि ग्वालियर को स्वच्छ, सुंदर और धूल-मुक्त बनाने के प्रयासों को सफलता मिल सके।

आज इन मार्गों पर होगी सफाई: मुरैना आरओबी, गोला का मंदिर, काली ब्रिज, 7 नंबर चौराहा, बहोड़ापुर, गांधी रोड, राजमाता तिराहा, हाईकोर्ट तिराहा, स्वामी विवेकानंद तिराहा, चंद्रवदनी नाका, संभाग आयुक्त कार्यालय, जीआरएमसी, रामसेवक घाटी, डीआरपी लाइन, बहोड़ापुर, आनंद नगर रोड, देवका गार्डन, उरवाई गेट, 100 फीट रोड, पड़ाव, जिंसी नाला, इंदरगंज एवं वीरपुर बांध क्षेत्र में विशेष सफाई की जाएगी।

1 जून को इन क्षेत्रों में चलेगा अभियान: रेलवे स्टेशन तिराहा, गोला का मंदिर, पिंटो पार्क, डीडी नगर, महाराजपुरा एयरफोर्स गेट, आकाशवाणी, दर्शन सिंह मार्ग, एमआईटीएस रोड, गोविंदपुरी, अलकापुरी, कलेक्ट्रेट रोड, ओल्ड पड़ाव आरओबी, सागरताल, जिंसी नाला, इंदरगंज, जयविलास पैलेस, थीम रोड, 1000 बिस्तर अस्पताल, बेटी बचाओ चौराहा, सिंधी कॉलोनी, वीरपुर बांध तथा एजी ऑफिस पुल, न्यू पड़ाव पुल, पुराना पड़ाव पुल, तारागंज नगर पुल और बिरला नगर पुल क्षेत्र में रोड स्वीपिंग मशीनों द्वारा सफाई कार्य किया जाएगा। यह अभियान प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से प्रातः 4 बजे तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत नगर निगम की रोड स्वीपिंग मशीनें शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों, बाजारों एवं व्यस्त क्षेत्रों में सफाई कार्य करेंगी। इसके साथ ही सफाई अमले द्वारा सड़क किनारों की सफाई, धूल हटाने एवं कचरा संग्रहण का कार्य भी किया जाएगा।

आउटसोर्स कर्मचारियों में खुशी की लहर

1 अप्रैल 2024 से मिलेगा संशोधित न्यूनतम वेतन और एरियर, निर्देश जारी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 मई। मध्य प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थाओं में एजेंसी के माध्यम से काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। श्रम विभाग के निर्देशानुसार, अब इन कर्मचारियों को 1 अप्रैल 2024 से संशोधित न्यूनतम वेतन और परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के साथ एरियर राशि का भुगतान किया जाएगा। श्रमायुक्त, मध्य प्रदेश इन्दौर द्वारा आदेश जारी कर दिया गया। इस आदेश के तहत विभिन्न विभागों और अन्य संस्थाओं में आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्यरत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को शामिल किया गया है, जिनमें मुख्य रूप से अकुशल कर्मचारी, अर्द्धकुशल कर्मचारी, कुशल कर्मचारी, उच्च कुशल कर्मचारी शामिल हैं

एरियर की गणना कर जल्द मांगी गई जानकारी

विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के एरियर की राशि की गणना करें। जारी किए गए दिशा-निर्देशों और तय प्रारूप के अनुसार पूरी जानकारी भरकर अधोहस्ताक्षरकर्ता को यथाशीघ्र और तत्काल भेजने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कर्मचारियों को जल्द से जल्द उनकी बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। इस फैसले से प्रदेश के हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ मिलेगा।

'प्रकृति की गोद में उपचार : मिट्टी चिकित्सा की ताकत'

प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार एक प्राचीन और प्रभावी तरीका है, जिसमें मिट्टी चिकित्सा, मड थेरेपी या पेलोथेरेपी भी कहा जाता है। मिट्टी पृथ्वी की सतह पर पाया जाने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक तत्व है, जो खनिज, कार्बनिक पदार्थों, जल और वायु का एक जटिलमिश्रण है इसका उपयोग प्राकृतिक उपचार पद्धति में किया जाता है जो आमतौर पर प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद में उपयोग की जाती है। इसमें चिकित्सीय लाभों के लिए शरीर को साफ करने के बाद, खनिज (कैल्शियम, सोडियम, आयरन, पोटेशियम, आयोडीन, सिलिकॉन, मैग्नीशियम और जिंक) युक्त मिट्टी लगाई जाती है।

हां, यह सच है कि मिट्टी चिकित्सा का उपयोग सदियों से चला आ रहा है। मिस्र की रानी क्लियोपेट्रा अपनी त्वचा की खूबसूरती, चमकदार और कोमलता बनाए रखने के लिए मृत सागर की मिट्टी के पैक और स्नान का उपयोग करती थीं। मिट्टी चिकित्सा उपचार के लिए काली मिट्टी (सूजन कम करने), पीली मिट्टी (एंटीसेप्टिक), लाल मिट्टी (खनिज समृद्ध), और मुल्तानी मिट्टी का उपयोग प्रमुख है। मूरमड और डेड सी मड दोनों ही प्राकृतिक, खनिज-युक्त मिट्टी हैं जो त्वचा की देखभाल और चिकित्सीय उपचार के लिए उपयोग की जाती हैं।

मिट्टी चिकित्सा (मड थेरेपी) का उपयोग केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि प्राकृतिक चिकित्सा के रूप में आंतों की गर्मी कम करने और अंगों को मजबूत करने के लिए भी किया जाता रहा है। सूजन और दर्द कम करना में ठंडे मिट्टी के पैक का उपयोग अक्सर जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों में दर्द और गठिया जैसी स्थितियाँसे राहत दिलाने के लिए किया जाता है। यह रक्त प्रवाह में सुधार और सूजन को कम करके काम करता है। मिट्टी शरीर को ठंडक प्रदान करती है, तंत्रिका तंत्र को शांत करती है और तनाव, चिंता और थकान को कम करती है। इसका उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं जैसे दर्द, सोरायसिस, त्वचा का सूखापन, एक्जिमा, रूसी आदि के लिए किया जाता रहा है। मिट्टी का पैक त्वचा को नमी प्रदान करता है, गहराई से सफाई करता है, रक्त संचार बढ़ाता है, जिससे त्वचा ताज़ा और युवा दिखती है।

मिट्टी चिकित्सा के कुछ सावधानियाँ रखना बहुत ही आवश्यक हैं जैसे कि मौसम, समय और शारीरिक प्रकृति (वात, पित्त, कफ)। यदि मिट्टी अशुद्ध है, तो उसमें हानिकारक कीटाणु, बैक्टीरिया या परजीवी भी हो सकते हैं, जिसको पहले से ही बुखार, कमजोरीया गंभीर बीमारियों से ग्रसित है तो मिट्टी चिकित्सा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यदि त्वचा पर कट्स, खरोंच या खुले घाव हैं, तो मिट्टी लगाने से संक्रमण गहरा हो सकता है तो मिट्टी चिकित्सा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मिट्टी चिकित्सा (मड थेरेपी) एक प्राचीन प्राकृतिक उपचार है, जैसा बताया गया है जिसे एक कुशल नेचुरोपैथिस्ट (प्राकृतिक चिकित्सक) के मार्गदर्शन में करना चाहिए। प्राकृतिक चिकित्सा और योग, दोनों ही पद्धतियां शरीर में होने वाली किसी भी प्रकार की विकृति के लिए प्राकृतिक तत्वों का उपयोग करती हैं, बिना किसी रासायनिक दवाओं के ये केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि एक स्वस्थ जीवन शैली हैं।

प्रस्तावना गुप्ता
राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक, योगा कोच,
भारतीय योगिनी संघ के राज्य उपाध्यक्ष,
भारतीय कल्याण संघ मप्र खेल सचिव,
और सामाजिक कार्यकर्ता